भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †122

सोमवार, 25 नवम्बर, 2024/4 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडीएस) के अंतर्गत ओडिशा में पर्यटन का विकास

†122. श्री अनन्त नायक:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा ओडिशा राज्य विशेषकर क्योंझर जिले में स्वदेश दर्शन 2.0 योजना (एसडीएस) के अंतर्गत शामिल किए जाने हेतु चुने गए स्थलों का ब्यौरा क्या है, ताकि उन्हें देश में पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सके;

(ख) क्या सरकार ने इन स्थलों, विशेषकर क्योंझर जिले में स्थित स्थलों के विकास के लिए कोई निधि स्वीकृत/जारी की है अथवा स्वीकृत करने/जारी करने का विचार है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो कब तक धनराशि स्वीकृत/जारी किए जाने की संभावना है;

(घ) क्या सरकार का विचार केंदुझर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए केंदुझर जिले में गोपीनाथपुर में स्थित रायसुन हवाई पट्टी, जिसे केंदुझार या क्योंझर हवाई पट्टी के नाम से भी जाना जाता है, को प्रचालित करने का है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं; और

(च) ओडिशा राज्य में और विशेषकर केंदुझर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए गए/किए जा रहे अन्य उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय ने देश में स्थायी और सुरक्षित पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को हाल ही में स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है। इस योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय ने ओडिशा में 'कोरापुट' और 'खिंडा गांव के विशेष आकर्षण के साथ डिब्रीगढ', की पहचान की है। इस योजना के तहत परियोजना को राज्य सरकार से उपयुक्त परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने और योजना

दिशानिर्देशों, निधि की उपलब्धता आदि के अध्यधीन मंजूरी दी जाती है। ओडिशा राज्य में एसडी 2.0 के तहत कोई परियोजना स्वीकृत नहीं की गई है, हालांकि पर्यटन मंत्रालय ने 2016-17 में स्वदेश दर्शन योजना के तहत तटीय परिपथ थीम के तहत 70.82 करोड़ रुपये की लागत से 'गोपालपुर, बरकुल, सतपाड़ा और तम्पारा का विकास' नामक परियोजना को मंजूरी दी थी।

(घ) और (ड.): नागर विमानन मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ओडिशा के क्योंझर जिले में रायसुन हवाई पट्टी को उड़ान संबंधी दस्तावेजों में सेवा-रहित हवाई पट्टियों की अस्थायी सूची में सूचीबद्ध किया गया है। क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान एक बाजार संचालित योजना है, जिसमें योजना के तहत अधिक गंतव्यों और मार्गों को कवर करने के लिए समय-समय पर बोली लगाने के राउंड आयोजित किए जाते हैं। सेवा-रहित हवाई अड्डों का पुनरुद्धार/उन्नयन एक वैध बोली के माध्यम से उनकी पहचान करने और चयनित एयरलाइन ऑपरेटर (एसएओ) को कार्य देने के बाद किया जाता है। अब तक, रायसुन हवाई पट्टी से/के लिए उड़ानें संचालित करने के लिए किसी भी एयरलाइन द्वारा कोई प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है।

सरकार ओडिशा राज्य में पर्यटन/कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कदम उठा रही है। इसके परिणामस्वरूप, ओडिशा राज्य में झारसुगुड़ा, राउरकेला, उत्केला और जयपुर हवाई अड्डे पहले ही उड़ान योजना के तहत चालू हो चुके हैं।

(च): पर्यटन मंत्रालय अपने सतत प्रयासों के तहत प्रचार गतिविधियों, आयोजनों, वेबसाइट, सोशल मीडिया पर प्रचार आदि के माध्यम से ओडिशा सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

****